

**सरहत पुं.** (देश.) खलिहान में फैला हुआ अनाज बुहारने का झाड़ू।

**सरहतना स.क्रि.** (देश.) दे. अनाज फटकाना जिससे उसकी भूसी आदि अलग हो सके। पछोड़ना।

**सरहत पुं.** (देश.) बरछीनुमा एक हथियार जिससे बड़ी मछलियों का शिकार किया जाता है।

**सरहद स्त्री.** (फा.) 1. किसी देश या राज्य की सीमा 2. ऐसी सीमा के आस-पास का क्षेत्र।

**सरहदबंदी स्त्री.** (फा.) कार्य क्षेत्र आदि की सीमा निर्धारित करना, सीमांकन का कार्य।

**सरहदी वि.** (फा.) 1. सरहद संबंधी, सीमा संबंधी 2. सरहद का, सीमा प्रांत का व्यक्ति जैसे- सीमांत, सरहदी गांधी।

**सरहना स्त्री.** (देश.) मछली के ऊपर का छिलका, शल्क, चूई।

**सरहर पुं.** (देश.) कुश की तरह की एक घास, सरपत, इसकी लंबी पत्तियां छप्पर आदि बनाने के काम आती हैं, सरकंडा।

**सरहरा वि.** (देश.) सीधा, सीधा ऊपर को गया हुआ पेड़ जिसकी इधर-उधर शाखाएँ न निकली हो।

**सरहरी स्त्री.** (देश.) 1. मूज या सरपत जाति का एक पौधा जिसकी छड़ पतली, चिकनी और बिना गांठ की होती है 2. गंडनी या सर्याक्षी नाम की वनस्पति।

**सरहा पुं.** (फा.) एक मीठा फल जो खरबूजे से बड़ा और अधिक मीठा होता है यह अफगानिस्तान में पैदा होता है।

**सरांग स्त्री.** (देश.) 1. लोहे का एक मोटा छड़ जिस पर पीटकर लोहार कुछ औजार बनाते हैं 2. कोई ऐसी लकड़ी जिसकी सहायता से सीधी रेखाएँ खींची जाती है 3. सीधी छड़ या पट्टी 4. खंभा।

**सरा स्त्री.** (तद्.) 1. चिता 2. किला, दुर्ग 3. महल, प्रासाद।

**सराई स्त्री.** (तद्.) 1. सरकंडे की पतली छड़ी, सलाई 2. मिट्टी का प्याला या दीपक, सकोरा 3. पाजामा।

**सराक पुं.** (तद्.) बिहार और बंगाल में रहने वाली जुलाहों की एक जाति।

**सराख स्त्री.** (फा.) 1. धातु की छड़, शलाका, सलाई 2. रेखा, लकीर।

**सराना स.क्रि.** (देश.) काम पूरा करना, कार्य संपन्न करना।

**सरापा पुं.** (फा.) 1. किसी के सिर से पैर तक के सभी अंगों का काव्यात्मक वर्णन, नख-शिख वर्णन 2. ऊपर से नीचे तक 3. आदि से अंत तक।

**सराफ पुं.** (अर.) 1. सोने-चांदी का व्यापारी 2. नकद धनराशि, सिक्के आदि को बदलने का कार्य करने वाला 3. प्रामाणिक और संपन्न व्यापारी 4. अच्छा पारखी।

**सराफा पुं.** (अर.) 1. सराफ का पेशा 2. सराफा बाजार।

**सराफी स्त्री.** (अर.) 1. सोने, चांदी, सिक्कों आदि को बदलने का कारोबार 2. सराफो/महाजनों द्वारा लिखी जाने वाली लिपि, मुंडा भाषा।

**सराबोर वि.** (फा.) शराबोर, पानी से तर, गीला, पानी से भीगा।

**सराय स्त्री.** (फा.) 1. रहने का स्थान 2. मध्ययुग में यात्रियों, सौदागरों आदि के ठहरने का स्थान जहां उनके खाने-पीने तथा मनोरंजन की भी व्यवस्था होती थी।

**सरायत स्त्री.** (अर.) प्रवेश करना, घुसना, पैठना।

**सरार पुं.** (देश.) घोड़ा-बैल नाम की लता जिसकी जड़ बिलाई कंद कहलाती है।

**सराव पुं.** (देश.) 1. शराब पीने का प्याला, मद्य पात्र 2. कटोरा 3. दीया, कसोरा 4. एक प्रकार का जंगली जानवर जो बकरी और हिरन से मिलता-जुलता है और हिमालय के पहाड़ों में पाया जाता है, यह सीधा और डरपोक पशु है।

**सरावग पुं.** (तद्.) 1. बौद्ध संन्यासी, जैन संन्यासी 2. जैन धर्म का अनुयायी, जैनी 3. नास्तिक 4.